ग्रेट रेज़िगनेशन

हाल ही में कोविड-19 के बाद बड़ी संख्या में लोग **"एंटीवर्क"** के सिद्धांत को अपनाकर अपनी नौकरी से बाहर निकल रहे हैं विशेष कर अमेरिका और यूरोपीय देशों में।

- **यूएस ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स (BLS)** के अनुसार, अगस्त 2021 में रिकॉर्ड 4.3 मिलियन लोगों ने इस्तीफा दिया, जो जुलाई से 2,42,000 अधिक है।
- अमेरिकी मनोवैज्ञानिक **एंथनी क्लॉट्ज़** ने इसे "**ग्रेट रेज़िगनेशन**" कहा है जो कार्य-जीवन समीकरण में प्राथमिकताओं को फिर से तैयार करने का आह्वान है।

प्रमुख बिंदु:

- **कोविड का प्रभाव:**
  - कार्य से बाहर निकलने वालों में प्रमुख रूप से **खुदरा और आतिथ्य क्षेत्र के वे कर्मचारी** शामिल हैं जो नौकरी बदलने या अपने विकल्पों का पुनर्मूल्यांकन करने के इच्छुक थे।
  - मध्य और पूर्वी यूरोप के कई देशों ने **कुशल श्रम शक्ति में गिरावट दर्ज** की है।
    - हालाँकि यह मज़बूत सामाजिक सुरक्षा जाल के कारण हो सकता है।
  - महामारी और लॉकडाउन के मध्य जीवित रहना और इसका सामना करना कई लोगों को 'काम-मुक्त' जीवन को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में देखने हेतु प्रेरित करता है।
- **'ग्रेट रेज़िगनेशन' का महत्त्व**
  - कम वेतन, अव्यावहारिक कार्य समय-सीमा और खराब लीडरशिप या बॉस आदि से संबंधित समस्याओं ने 'ग्रेट रेज़िगनेशन' को और अधिक बढ़ावा दिया है।
  - इसका मतलब यह भी है कि इन श्रमिकों के पास अपने मौजूदा नियोक्ताओं से परे बाज़ार मूल्य मौजूद हैं और वे इससे अधिक बेहतर रोज़गार प्राप्त कर सकते हैं।
    - वे बेहतर नौकरी के अवसर प्राप्त करने या स्टार्ट-अप चुनने के लिये अपने अनुभव पर भरोसा करते हैं।
  - एक सामान्य आशंका यह भी है कि क्षमता निर्माण में पर्याप्त पूंजी आवंटन नहीं किया गया है।
- **भारत की स्थिति:**
  - सामाजिक सुरक्षा और बेरोज़गारी लाभ की अनुपस्थिति के कारण भारत में ऐसी कोई घटना नहीं देखी गई है।
    - नौकरियों से बाहर निकलने की विलासिता या विशेषाधिकार भारत में अधिकांश लोगों के लिये उपलब्ध नहीं था।
  - हालाँकि 'रिमोट वर्किंग' या 'वर्क फ्रॉम होम' ने कॉरपोरेट्स और कर्मचारियों के लिये लचीले वर्क मॉडल को संभव बना दिया है।
  - इससे टियर-II और टियर-III शहरों में लोगों की नौकरियाँ जा रही हैं। जिससे भारत की स्थानिक अर्थव्यवस्था में बदलाव आ रहा है।
    - साथ ही वर्क फ्रॉम होम ने बाज़ार में मांग संरचना में बदलाव को गति दी है।
  - इसके अलावा भारतीय आईटी और आईटीईएस क्षेत्रों में भी लोग अपनी नौकरी बदल रहे हैं।
    - कई स्टार्ट-अप यूनिकॉर्न बन गए हैं और कई थोक में काम पर रख रहे हैं तथा काफी अधिक भुगतान करने के लिये तैयार हैं।

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/great-resignation